सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3 अंक-24
जुलाई, 2025

आईएसबीएन : 978-93-7029-835-4

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

Editors :

Dr. Akhilesh Kumar Dubey (Chief Editor)
Lieutenant (Dr.) Sandeep Kumar Srivastava (Co-Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 20

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9451520116, 7607592575

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह के दौरान (बाएं से) माननीय कुलपति, माननीय राज्यपाल, माननीय राष्ट्रपति, माननीय मुख्यमंत्री व अन्य

दिनांक : 01 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास मे आज का दिन एक स्वर्णिम अवसर के रूप में सम्मिलित हुआ। आज के दिन विश्वविद्यालय में निर्मित भवन ऑडिटोरियम, पंचकर्म एवं महिला छात्रावास के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह गौरवपूर्ण क्षण और भी विशिष्ट तब हो गया जब भारत गणराज्य की प्रथम नागरिक एवं देश की सर्वोच्च संवैधानिक पदाधिकारी, माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एवं विशि ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनन्दी बेन पटेल, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महराज की गरिमामयी उपस्थिति एवं उनके करकमलों द्वारा किया गया। इस उद्घाटन और शिलान्यास ने न केवल विश्वविद्यालय की अधोसंरचनात्मक प्रगति को रेखांकित किया, बल्कि यह अवसर विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणा एवं उत्साह का भी केंद्र बना। इस भव्य आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने अनुशासन, सेवा–भाव और संगठन कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एनएसएस के मूल उद्देश्य सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण को आत्मसात करते हुए स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सबसे पहले, वाहन पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की जिम्मेदारी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा निभाई गई। राष्ट्रपति महोदया के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल की दृष्टि से पार्किंग प्रबंधन अत्यंत संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण कार्य था। स्वयंसेवकों ने वाहनों की समुचित दिशा–निर्देशन, व्यवस्थित पार्किंग एवं सुचारु यातायात सुनिश्चित कर कार्यक्रम को व्यवधानरहित संपन्न करने में अहम भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, जलपान वितरण व्यवस्था में भी एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। अतिथियों एवं आगंतुकों के स्वागत के उपरांत उन्हें समयानुकूल जलपान उपलब्ध कराना आवश्यक था। स्वयंसेवकों ने मुस्कान और सेवा भाव के साथ यह दायित्व निभाया, जिससे अतिथियों पर सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण प्रभाव पड़ा। अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान की प्रक्रिया भी स्वयंसेवकों द्वारा बड़े ही सुसंगठित ढंग से सम्पन्न कराई गई। एनएसएस स्वयंसेवकों ने अतिथियों को ऑडिटोरियम तक पहुँचाने में मार्ग प्र स्त एवं सहयोग प्रदान किया। ऑडिटोरियम तक अतिथियों की सहज पहुँच सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों ने अपनी उपस्थिति और तत्परता बनाए रखी। कुल मिलाकर, यह अवसर राष्ट्रीय

सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं अनुभव का मंच सिद्ध हुआ।

इस आयोजन ने उन्हें टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, अनुशासन और जनसंपर्क कौशल सीखने का अवसर प्रदान किया।

अंततः कहा जा सकता है कि माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के आगमन पर आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने न केवल विश्वविद्यालय की व्यवस्था को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाए रखा, बल्कि यह भी प्रमाणित किया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सदैव राष्ट्रहित, समाजहित एवं विश्वविद्यालय हित में अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं।

पौधरोपण के दौरान (बाएं से) माननीय राष्ट्रपति, माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय कुलपति व अन्य

युवा अधिकारी श्री राजेश तिवारी के साथ कार्यक्रम समन्वयक एवं स्वयंसेवक

पौधरोपण के दौरान नर्सिंग की प्राचार्या एवं छात्राएं

दिनांक : 09 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी, माता अनुसुइया एवं मैत्रेयी इकाई एवं नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के संयुक्त तत्वावधान में "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था, अपितु मातृत्व एवं मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रकट करने की भावना को जाग्रत करना भी था। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों द्वारा पौधों की व्यक्तिगत देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में वृक्षों के पर्यावरणीय, सांस्कृतिक एवं भावनात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। जिस प्रकार माँ अपनी संतान को जीवन, पोषण एवं सुरक्षा प्रदान करती है, उसी प्रकार वृक्ष भी मानव समाज को शीतलता, प्राणवायु एवं जीवन प्रदान करते हैं।" छात्र–छात्राओं ने अत्यंत उत्साह, उत्सव एवं समर्पण की भावना के साथ पौधारोपण किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम न केवल पर्यावरणीय चेतना का माध्यम बना, अपितु एक संवेदनशील, भावनात्मक एवं प्रेरणात्मक वातावरण की सृष्टि भी की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता की भावना के साथ हुआ। यह पहल निश्चित ही सभी प्रतिभागियों के लिए एक प्रेरक अनुभव सिद्ध हुई तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने हेतु सार्थक कदम के रूप में अंकित होगी इस अवसर पर

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव, सुश्री गरिमा पाण्डेय, संकाय के समस्त प्राध्यापकगण, तीनों इकाइयों की स्वयंसेविकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

"एक पेड़ माँ के नाम" : पौधरोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना

पौधरोपण करते स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 10 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के जीवन एवं चिकित्सा विज्ञान संकाय के अन्तर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट एंव शिवाजी इकाई द्वारा "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के द्वितीय चरण का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आर्यभट्ट इकाई की स्वयंसेविका नन्दिनी सौरभ एवं स्वंयसेवक राज साहनी तथा ि ावाजी इकाई के स्वयंसेवक अखण्ड प्रताप सिंह, रोहित सिंह एवं स्वयंसेविका मधुबाला ने अपने ग्राम में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को वृक्षों के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित करते हैं, बल्कि जीवन के प्रत्येक पक्ष में उनका योगदान अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने समझाया कि स्वच्छ वायु, शुद्ध जल, भूमि की उर्वरता तथा प्राकृतिक संतुलन की स्थिरता वृक्षों पर ही निर्भर करती है।

इसी क्रम में ग्रामवासियों से यह भी आग्रह किया गया कि वे केवल पौधे लगाएँ ही नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित करने का भी संकल्प लें ताकि वे भविष्य में सशक्त वृक्ष बनकर पीढ़ियों तक लाभ पहुँचाएं।

स्वयंसेवकों ने यह संदेश दिया कि "एक पेड़ माँ के नाम" केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह माँ के प्रति सम्मान, जीवन के प्रति कर्तव्य और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम ने न केवल पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया, बल्कि ग्रामवासियों में प्रकृति संरक्षण के प्रति गहन संवेदनशीलता भी उत्पन्न की।

इस प्रकार, यह आयोजन समाज में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष लगाने तथा उसकी देखभाल करने हेतु प्रेरित करने का एक सार्थक प्रयास सिद्ध हुआ।

दीप प्रज्ज्वलन कर संस्कृत काव्य प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम एवं उपस्थित विद्यार्थी

दिनांक : 11 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के द्वारा गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग के संस्कृत समिति द्वारा गुरु कौन ? विषय पर आयोजित स्वरचित काव्य प्रतियोगिता के दौरान संस्कृत भाषा में स्वरचित कविता का स्वयंसेवकों ने काव्यपाठन किया। गुरु के महिमा के बारे में स्वयंसेवक विवेक ने अपनी कविता पाठ करते हुए कहा कि किमस्ति तत पदं। यः करोति देशानां निर्माणम। अभिषेक गिरी ने अपने काव्य पाठ में गुरु को चारों पुरुषार्थ धर्म अर्थ काम मोक्ष का प्रदाता बताया। सभी विद्यार्थियों ने बहुत ही मनोयोग से कविता पाठ किया। इस अवसर पर गुरु पूजन का भी आयोजन किया गया । जिसमें सभी स्वयंसेवको और आचार्यों ने महायोगी गुरु गोरक्षनाथ जी के सहित सभी ऋषियों,राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ, ब्रह्मलीन दिग्विजय नाथ और और भगवान धन्वन्तरि का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य गिरधर वेदांतम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। यह दिन महर्षि वेदव्यास जी की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्होंने वेदों का विभाजन, महाभारत की रचना और अनेक पुराणों की रचना की। इसीलिए उन्हें आदि गुरु कहा जाता है। हिन्दू, जैन और बौद्ध तीनों परंपराओं में यह दिन विशेष महत्व रखता है बौद्ध परंपरा में यह दिन भगवान गौतम बुद्ध द्वारा अपने प्रथम शिष्य को उपदेश देने का दिन है। तो वहीं भारतीय परंपरा में यह शिष्य द्वारा गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है। गुरु शब्दार्थ देखें तो गु का अर्थ है अंधकार और रु का अर्थ है प्रकाश।

इस प्रकार गुरु वह होता है जो शिष्य को अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाए।एक शिक्षक केवल विषय का ज्ञान नहीं देता,वह जीवन की दिशा भी देता है, सही–गलत में अंतर करना सिखाता है,और एक अच्छा इंसान बनाता है। इसलिए गुरु राष्ट्र निर्माता भी कहा गया है। कार्यक्रम का संयोजन संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ शांति भूषण ने किया गुरु पूजन कार्यक्रम में डॉ सुमित, डॉ गोपीकृष्ण आचार्य, डॉ विनम्र, डॉ नवीन, डॉ देवी, डॉ प्रिया, डॉ अभिजीत, डॉ रश्मि, डॉ संध्या सहित सभी स्वयंसेवक और प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ

एकदिवसीय विशेष शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

महराजगंज में शिक्षा–चिकित्सा–स्वच्छता के प्रति जागरूक करतीं मैत्रीय इकाई के स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 13 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की, मैत्रेयी इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल भावना "स्वयं से पहले सेवा" को आत्मसात करते हुए ग्राम महाराजगंज में एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय की समस्याओं की पहचान, सामाजिक जागरूकता का प्रसार तथा सेवा एवं सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रातः 09:30 बजे स्वयंसेवकों का ग्राम आगमन हुआ, जहाँ उन्होंने सर्वप्रथम ग्राम प्रधान से भेंट की और गाँव की सामाजिक एवं भौगोलिक स्थितियों की जानकारी प्राप्त की।

इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने घर–घर जाकर सर्वेक्षण किया, जिसमें उन्होंने कचरा प्रबंधन, जल संकट, शिक्षा की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति जैसी प्रमुख समस्याओं को चिह्नित किया। सर्वेक्षण के उपरांत जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं, जिनमें ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इस दौरान समूह चर्चा, नारा लेखन, जनसंवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्रों का आयोजन किया गया, जिससे ग्रामवासियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी सुश्री गरिमा पाण्डेय के मार्गदर्शन में किया गया, जिनकी नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने अनुशासित व उत्साही भाव से भाग लिया। स्वयंसेवकों की टीम में समिक्षा, सुमन, प्राची, जान्हवी, मानसी भारती, पूजा कुमारी, अमृता यादव, शाम्भवी, साक्षी, साक्षी प्रजापति, सुरभि कुशवाहा, उत्तरा, अंकिता मणि, प्रियंका भर, नेहा गुप्ता एवं अर्पिता निषाद सम्मिलित रहीं, जिन्होंने ग्रामवासियों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सहयोग व जागरूकता के लिए प्रेरित किया।

ग्रामवासियों ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इस प्रकार की पहलें भविष्य में भी होती रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह शिविर न केवल उनकी समस्याओं को उजागर करने वाला मंच बना, बल्कि उनके समाधान की दिशा में भी सार्थक प्रयास सिद्ध हुआ।

इस आयोजन ने स्वयंसेवकों को ग्रामीण जीवन को समझने, सामाजिक यथार्थ से परिचित होने तथा सेवा की वास्तविक भावना को अनुभव करने का सुअवसर प्रदान किया। यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों को चरितार्थ करता हुआ समाज और शिक्षा के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में उभरा।

नशामुक्त भारत : शपथ ग्रहण

नशामुक्त भारत विषय पर शपथ ग्रहण कराते डॉ. विनम्र शर्मा एवं व्याख्यान में उपस्थित स्वयंसेवक

दिनांक : 26 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फार्मेसी संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा "नशामुक्त भारत" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में जीजीआईएमएस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनम्र शर्मा उपस्थित रहें।

अपने उद्बोधन में डॉ. शर्मा ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि "भारत को नशामुक्त बनाने में युवाओं की जागरूकता और सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।" उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को भीतर से खोखला कर देता है, और इससे छुटकारा पाने के लिए सामूहिक प्रयास, शिक्षा तथा पारिवारिक संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वामी विवेकानंद के विचार "हम जैसा सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं" को उद्धृत करते हुए उन्होंने छात्रों को सकारात्मक सोच, नशा–मुक्त जीवनशैली और स्वास्थ्यवर्धक आदतें अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने पर बल दिया, इसके पश्चात बी. फार्म प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा "नशामुक्त भारत" विषय पर प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनके माध्यम से उन्होंने उपस्थित युवाओं को नशा छोड़ने और स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस के शिक्षकों–सुश्री पूजा जायसवाल, सुश्री नंदिनी जायसवाल, श्री पियूष आनंद, श्री शुद्धांशु मिश्रा, श्री शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, श्री दिलीप मिश्रा तथा डॉ. अमित उपाध्याय की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी शिक्षकों ने छात्रों को "नशामुक्त भारत अभियान" में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन में आशीष दुबे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन निखिल प्रकाश पाण्डेय द्वारा किया गया।

चरक जयन्ती एंव कारगिल विजय दिवस समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

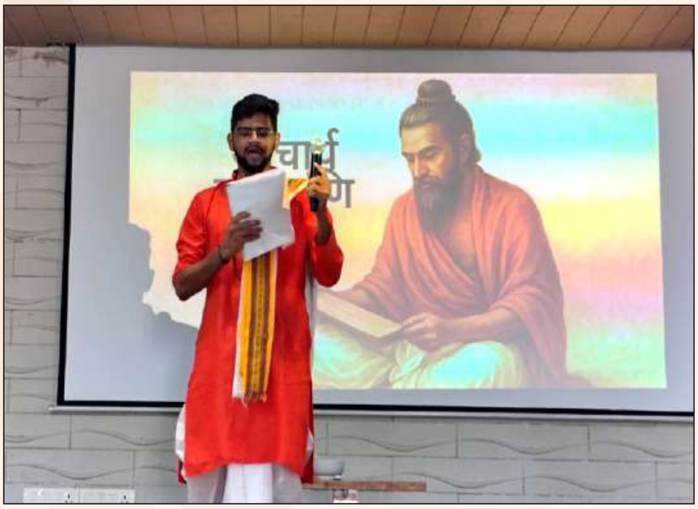

चरक जयंती पर नाटक प्रस्तुत करते हुए अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवक

दिनांक : 26 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखुपर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के द्वारा चरक जयन्ती के अवसर पर चरक संहिता का वैश्विक चिकित्सा में योगदान विषय पर रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, और नाट्य मंचन का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने चरक संहिता का परायण भी किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य गिरधर वेदांतम ने कहा कि महर्षि चरक केवल एक वैद्य ही नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा के स्तंभ थे। महर्षि का दृष्टिकोण केवल रोग निवारण तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, आहार–विहार, दिनचर्या, मानसिक संतुलन और सतत आत्मनियंत्रण पर बल दिया। सभी पुरुषार्थों की प्राप्ति के लिए आरोग्य सबसे आवश्यक है। कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ त्रिविक्रम मानी त्रिपाठी जी ने अपने संबोधन में सभी को संबोधित करते हुए कहा की हमे आज के समय में चरक संहिता को आत्मसात करने की आवश्यकता है । आज जब विश्व फिर से आयुर्वेद चिकित्सा और जीवनशैली की ओर लौट रहा है, चरक जी का संदेश और योगदान और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। आइए इस चरक जयंती पर हम सभी स्वास्थ्य के प्रति सजग, और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति गर्वित बनें। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांत , डॉ गोपीकृष्ण,डॉ सुमित, डॉ शांति भूषण ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका में डॉ रश्मि, डॉ मिनी, डॉ संध्या ने निभाई।

कारगिल विजय दिवस पर संक्षिप्त कारगिल युद्ध का प्रदर्शन करते हुए।सभी सैनिकों को नमन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ गोपीकृष्ण आचार्य, डॉ त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी,डॉ नवीन, डॉ देवी, डॉ प्रिया, डॉ बी डी भारती, डॉ दीपू मनोहर सहित सभी स्वयंसेवक और प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा किया गया।

लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह

राष्ट्रीय कैडेट कोर

लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में विश्वविद्यालय का मॉडल एवं पुस्तक का विमोचन करतीं माननीय राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं कुलपति जी

दिनांक : 01 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आज भारत गणराज्य की माननीय राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी,, राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के आशीर्वचनों से गोरक्ष धाम धन्य हुआ। मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश की मा. राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराजए विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में नव निर्मित ऑडोटोरियम सभागार पंचकर्म भवन, नव निर्मित छात्रावास भवन का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मा. राष्ट्रपति जी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण का पुनीत कार्य कर धरती माता के प्रति अपनी कृतज्ञता भी ज्ञापित की।

राष्ट्रपति महोदया ने कहा कि शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोक–कल्याण के अभियान की जो परंपरा श्री गोरक्षपीठ एवं उसके पूज्य आचार्यों ने आगे बढ़ाई थी, अपने संस्थापकों की भावनाओं के साथ ही आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशा के अनुरूप राष्ट्र प्रथम भाव के साथ गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की 52 से अधिक संस्थाएं न केवल गोरखपुर में बल्कि अन्य जनपदों में भी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं।

राष्ट्रपति महोदया के आगमन पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के कैडेट्स ने एसोशिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल के नेतृत्व में मॉक ड्रिल अभ्यास कर सुरक्षा व्यवस्था, गार्ड ऑफ आनर, पायलेटिंग सम्मान के साथ पूरे आयोजन में आमंत्रित अतिथियों को सभागार तक ले जाने की व्यवस्था का दायित्व पूर्ण किया।

कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह जी ने कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस शुभ दिन के साक्षी विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ राष्ट्रीय कैडेट कोर के हम सभी कैडेट्स बने है। जिन्होंने इस ऐतिहासिक दिन को सीनियर्स और जूनियर्स ग्रुप ने विशिष्ट सहयोग, अद्भुत तालमेल से दुरूह कार्य को अपने श्रम, निष्ठा समर्पण भाव से पूर्ण किया। आज सभी कैडेट्स ने एक ऐसी चुनौती को स्वीकार किया जो किसी युद्ध कौशल रण क्षेत्र जैसा था। कब क्या हो जाए क्या आदेश मिल जाए विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं को ढालने की चुनौती को आप सभी ने हंसते हुए स्वीकार किया है, आज प्रशंसा में शब्द कम है आप सभी के सहयोग समर्पण भाव अर्पण के लिए सभी को स्नेह बधाई है।

लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रशासनिक अधिकारियों ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के कार्य शैली पर विश्वास करते हुए राष्ट्रपति महोदया के उपस्थिति की चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी दिया। जिसे सभी कैडेट्स ने अपने अदम्य साहस, जोश और निष्ठा समर्पण भाव से पूर्ण किया। आगे भी नई चुनौतियों के लिए कैडेट्स तैयार है कैडेट्स ने सैन्य सेवा के सभी गतिविधियों को ग्राउंड स्तर पर युद्ध स्तर की रणनीति पर कार्य किया वे सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

आयोजन में प्रमुख रूप से सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर ऑफिसर मोतीलाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कॉरपोरल हर्षव कुमार साहनी, आशुतोष मणि त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमित कुमार चौधरी, सागर यादव, अनुभव, खुशी यादव, चांदनी निषाद, शालिनी चौहान, अस्मिता सिंह, आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय, संजना शर्मा, निलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, आलोक दीक्षित, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय, आलोक सिंह, सूरज कुमार, अरुण विश्वकर्मा, विवेकानंद यादव, विकास यादव, अरविंद विश्वकर्मा, अनुराधा विश्वकर्मा, वसुंधरा सिंह, उजाला सिंह, ममता गुप्ता, पार्वती साहनी, गुड़िया यादव, अतिका तिवारी, अर्पिता राय, काजल ने राष्ट्रपति महोदया के आगमन पर सुरक्षा और जलपान वितरण में सहयोग किया।

एनसीसी सुपर 50 एसएसबी साक्षात्कार

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एनसीसी सुपर 50 एसएसबी साक्षात्कार में कैडेट्स (फोटो साभार–इंटरनेट)

दिनांक : 02 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट सार्जेंट खुशी गुप्ता और अनुभव ने "NCC Super 50 SSB Interview" में सम्मिलित होकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन गोरखापुर के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही सार्जेंट खुशी गुप्ता और अनुभव ने "NCC Super 50 SSB Interview" कार्यक्रम में सफलतापूर्वक प्रतिभाग अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 44 यूपी बटालियन द्वारा संयोजित इंटरव्यू में विभिन्न बटालियन के शीर्ष 50 कैडेट्स को इंटरव्यू में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला।

102 यू पी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टीनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा प्रतिवर्ष एसएसबी इंटरव्यू में बेस्ट कैडेट का चयन किया जाता है। जहां देश के युवाओं को न केवल देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होते हैं, बल्कि उन्हें एक उज्ज्वल और अनुशासित भविष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी दिया जाता है ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट् सार्जेंट खुशी गुप्ता और अनुभव इस प्रेरणादायक यात्रा के उदाहरण हैं। यह चयन न केवल उनके कठिन परिश्रम का परिणाम है, बल्कि विश्वविद्यालय, बटालियन और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय भी है।

यह कार्यक्रम भारतीय सेना में अधिकारी स्तर पर चयन (SSB – Services Selection Board) की तैयारी के लिए आयोजित किया जाता हैए जिसमें पूरे उत्तर प्रदेश से केवल चुने हुए और मेधावी एनसीसी कैडेट्स को आमंत्रित किया गया जाता है। एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि "NCC Super 50, कार्यक्रम राष्ट्रीय कैडेट कोर मुख्यालय द्वारा शुरू की गई एक विशेष पहल हैए जिसका उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को भारतीय सशस्त्र बलों में चयन हेतु ˆठ जैसी कठिन चयन प्रक्रिया के लिए विशेष रूप से तैयार करना है।

इस कार्यक्रम के तहत चयनित 50 कैडेट्स को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा मानसिक, शारीरिक और नेतृत्व कौशल पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस पहल के पीछे मुख्य उद्देश्य है योग्य और प्रेरित युवाओं को सैन्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।

102 यूपी बटालियन एनसीसीए गोरखपुर लंबे समय से पूर्वांचल के युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और देशसेवा की भावना से प्रेरित करती आ रही है।

इस बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह सर, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा निरंतर कैडेट्स का मार्गदर्शन करते हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, जाे पूर्वांचल के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक उभरता हुआ नाम है, अपने एनसीसी यूनिट को लेकर विशेष रूप से सक्रिय रहा है। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से कैडेट्स के लिए ड्रिलए फिजिकल ट्रेनिंग, थ्योरी क्लासेज, योग और नेतृत्व विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सार्जेंट खुशी गुप्ता और अनुभवए एक होनहार और जुझारू कैडेट के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने कैम्प ट्रेनिंगए क्विज और ग्रुप डिस्कशन जैसी गतिविधियों में कई बार श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

इन दोनों कैडेट्स ने ˆनचमत 50 के दौरान आयोजित होने वाली कड़ी चयन प्रक्रिया को पार करते हुए न केवल अपनी क्षमताओं को सिद्ध कियाए बल्कि अपने अन्य सहपाठियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने।

एएनओ संवाद सम्मेलन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एएनओ संवाद सम्मेलन में प्रतिभाग करते एएनओ एवं सीटीओ

दिनांक : 16 जुलाई, 2025। राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यूपी बटालियन, गोरखपुर मुख्यालय द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी रिसोर्स सेंटर में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर और केयर टेकर आफिसर के मध्य संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह सर ने कहा कि यह सम्मेलन, एनओसी टीओ बटालियन के प्रशासनिक अधिकारियों और कार्यालय सहायकों के मध्य सीधा संवाद करने का माध्यम है। जो एन सीसी कार्यों की समीक्षा के लिए एक मंच बना है, बल्कि भविष्य की योजनाओं को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के नेतृत्व में यह आयोजन अत्यंत सफल रहा और इससे जुड़े सभी शिक्षकों और प्रशिक्षकों को नवीन ऊर्जा और दिशा प्राप्त हुई। राष्ट्रीय कैडेट कोर भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित संगठन है, जो देश के युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन, देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का कार्य करता है। इसी दिशा में, 102 यूपी बटालियन, गोरखपुर मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण ANO (Associate NCC Officer) कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें बटालियन के विभिन्न कॉलेज और स्कूलों से आए हुए ए एनओ ने भाग लिया।

102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय में आयोजित एएनओ कॉन्फ्रेंस में कैडेट्स के नामांकन, प्रशिक्षण, आगामी शिविरों और आधिकारिक कोर्सेज पर केंद्रित रहा।

कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने विस्तार से कैडेट्स के नामांकन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, आगामी शिविरों और एएनओ कोर्सेज की जानकारी दिया।

साथ ही कार्य को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने हेतु कई महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश भी साझा किए। लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की एएनओ कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य एनसीसी से जुड़े शिक्षकों और प्रशिक्षकों को अद्यतन जानकारी देना है, ताकि वे अपने–अपने संस्थानों में एनसीसी गतिविधियों को प्रभावशाली ढंग से लागू कर सकें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर एक ऐसा मंच है जो युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनने के लिए तैयार करता है। जिसमें कैडेट्स के साथ एएनओ एक सेतु के रूप में कार्य करता है और आपकी सक्रिय भागीदारी ही एनसीसी की सफलता की कुंजी है।

कैडेट्स के नामांकन के विषय में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नामांकन प्रक्रिया को अधिक डिजिटलीकृत और पारदर्शी बनाया गया है। जिसमें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य: सभी कैडेट्स को www.nccauto.gov.in पर पंजीकरण करना आवश्यक है।

कुछ एएनओ ने नामांकन पोर्टल की धीमी गति की शिकायत की, जिस पर जवाब देते हुए बताया गया कि अब एक हेल्पलाइन डेस्क बनाया गया है जो इस प्रक्रिया में सहायता करेगा। छात्र–छात्राओं को एनसीए में आकर्षित करने हेतु ऑरिएंटेशन प्रोग्राम्स आयोजित करने का सुझाव भी साझा किया गया।

प्रशिक्षण पर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने बताया कि एनसीसी का उद्देश्य सिर्फ ड्रिल सिखाना नहींए बल्कि एक समग्र व्यक्तित्व विकास करना है।

प्रमुख प्रशिक्षण में कैडेट्स को ड्रिल, फायरिंग, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और शारीरिक प्रशिक्षण, थ्योरी क्लासेस में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन आदि शामिल हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर के तहत अन्य राज्यों के कैडेट्स के साथ

इंटरैक्शन।होता हैं।

ट्रेनिंग में हाइब्रिड ट्रेनिंग मोड अपनाया गया ह, क्लासेस ऑनलाइन, कुछ फिजिकल A YouTube pkSuy LMS प्लेटफॉर्म पर भी कंटेंट उपलब्ध कराया जाएगा। सप्ताह में 2 दिन नियमित प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। शिविरों की जानकारी साझा करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल ने बताया कि आने वाले महीनों में बटालियन द्वारा संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, रिपब्लिक डे कैंप, नेशनल इंट्रीग्रेटेड शिविर, थल सेना शिविर, ट्रैकिंग एडवेंचर शिविर, स्पोर्ट्स शिविर, आई जी सी इंटर ग्रुप प्रतियोगिता शिविर का आयोजन किया जाना है। एएनओ कोर्स एनसीसी कार्यक्रम का आधार स्तंभ होता है। कॉन्फ्रेंस में एएनओ को उनके कर्तव्यों, प्रशिक्षण और अधिकारों के बारे में स्पष्ट जानकारी दी गई।

प्रत्येक नए, एएनओ को PRCN (Pre Commission Course) के लिए OTA (Off~icers Training Academy) भेजा जाएगा।

यह कोर्स लगभग 3 महीने का होता है, जिसमें सैन्य अनुशासन, नेतृत्व और प्रशिक्षण सिखाया जाता है।

अंत में लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट चक्छु पाण्डेय, लेफ्टिनेंट सर्वजीत सिंह, ले. आदित्य नाथ शुक्ला, ले. अभिषेक साहनी, ले. डॉ. संजय शर्मा, ले. विनीत श्रीवास्तव, राजवीर सिंह, ले. तुलसी प्रसाद, ले. विवेक सिंह, ले. कुशल कुमार सिंह, हवलदार विपिन त्रिपाठी, सूबेदार कदम सिंह, हवलदार रविन्द्र देसाई, नंदलाल सिंह, कामेंद्र सिंह, अशोक श्रीवास्तव, कमलेश वर्मा, बृजेश यादव, अभिषेक सिंह उपस्थित रहें।

इंटरग्रूप बास्केट बॉल प्रतियोगिता

राष्ट्रीय कैडेट कोर

इंटरग्रूप बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं कैडेट संजना शर्मा एवं प्रीति शर्मा

दिनांक : 17 जुलाई, 2025। राष्ट्रीय कैडेट कोर इंटरग्रूप बॉस्केट बॉल प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की कैडेट्स प्रीति शर्मा और संजना शर्मा की जोड़ी ने प्रथम स्क्रीनिंग चयन प्रक्रिया को पूरा कर टीम में शामिल होने का सौभाग्य ग्रहण कर लिया है।

102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय का बॉस्केटबाल प्रतियोगिता में प्रतिनिधत्व करने वाली ये दोनों कैडेट्स बटालियन से जुड़े 38 विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर भी नेतृत्व करने का गौरव प्राप्त किया है। दोनों कैडेट्स बटालियन द्वारा चयनित कोच (मुख्य प्रशिक्षकों) की देखरेख में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बॉस्केटबाल कोर्ट पर खेल की बारिकियां सीख रही हैं।

जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि इंटर ग्रुप बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता केवल खेल का मंच नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, मेहनत और टीम भावना का अद्भुत उदाहरण हैं। प्रीति शर्मा और संजना शर्मा ने अपने समर्पण और आत्मविश्वास खेल में चयनित हुई है। एनसीसी के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और खेल कौशल को विकसित करना होता है। इन्हीं प्रतियोगिताओं में से एक है लड़कियों की बास्केटबॉल प्रतियोगिता, जो साहस, ऊर्जा, अनुशासन और सामूहिक सहयोग की उत्कृष्ट मिसाल पेश करती है।

यह खेल तेज़ गति, रणनीति, सटीकता और शारीरिक क्षमता का संगम है।

एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में किया जाता है। आयोजन से पहले सभी टीमों का चयन उनके अपने यूनिट स्तर पर किया जाता है। चयनित कैडेट्स को प्रशिक्षकों द्वारा विशेष कोचिंग दी जाती है। मैदान की सज्जा, खेल सामग्री की व्यवस्था और रेफरी की नियुक्ति के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत होती है।

एनसीसी अधिकारी लेफ्टीनेंट

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी का मुख्य उद्देश्य एकता और अनुशासन है, बास्केटबाल प्रतियोगिता में टीम भावना खेल की आत्मा है, क्योंकि जीत केवल व्यक्तिगत कौशल पर नहीं बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। खिलाड़ी एक–दूसरे को प्रोत्साहित करती हैं और साथ मिलकर रणनीति अपनाती हैं। गर्ल्स कैडेट्स का बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेना इस बात का प्रमाण है कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

मैदान पर उनका जोश, दृढ़ता और आत्मविश्वास यह संदेश देता है कि यदि अवसर मिले तो महिलाएँ हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। एनसीसी की यह प्रतियोगिता नारी सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक है। इंटर ग्रुप बास्केटबॉल प्रतियोगिता युवाओं के लिए उत्साह और प्रेरणा का केंद्र बनी। प्रतियोगिता में कई टीमें शामिल हुईं, जिनमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। कैडेट्स प्रीति शर्मा और संजना शर्मा के चयन पर विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारियों, प्राचार्य, अधिष्ठाता और सभी शिक्षकों ने शुभकामना दिया।

दीक्षारंभ एनसीसी व्याख्यान

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को एनसीसी की जानकारी देते ले. डॉ. संदीप श्रीवास्तव

दिनांक : 23 जुलाई, 2025। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ में नव विद्यार्थियों को रक्षा क्षेत्र में एनसीसी का महत्व और भविष्य विषय पर विषय पर्वतन करते हुए एसोशिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी सैन्य अनुशासन और साहसिक प्रशिक्षण की प्रेरणा देता है।

एनसीसी प्रशिक्षण न केवल आपको जीवन में एक अधिक अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व, चरित्र एवं गुण का भी विकास करता है। इसमें शारीरिक, शस्त्र, क्षेत्र एवं युद्ध कला आत्म रक्षा तथा साहसिक प्रशिक्षण के साथ कैडेट्स को जीवन के किसी भी परिस्थिति और चुनौतियों का सामना करने का संकल्प भी देता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। कैडेट्स सैन्य सेवा के लिए एनडीए, आईएमए, नेवल एक्डेमी, शॉट्स सर्विस कमीशन टेक्निकल ग्रेजुकेशन कोर्स, आर्मी कैडेट कॉलेज, टेरीटोरल आर्मी, आर्मी मेडिकल कोर्स, आर्मी पोस्टल सर्विस, एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम, आईटीबीटी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आदि में कैडेट्स को सुनहरा मौका मिलता है। डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा की पूर्ण विश्वास है कैडेट्स एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने के लिए सैन्य सेवा में अपने जीवन को समर्पित करेंगे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। शिक्षा के साथ सैन्य अनुशासन का अभ्यास देश की रक्षार्थ प्रेरणा देता है।

आयोजन में विभागाध्यक्ष डॉ अमित कुमार दुबे ने स्वागत संचालन किया।

शैक्षणिक व्याख्यान में कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कैडेट आदित्य विश्वकर्मा, पूजा सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अंशिका सिंह, आंचल पाठक, प्रीति शर्मा, दरख्शा बानो, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा उपस्थित रहें।

कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस पर कैडेट्स को सम्बोधित करते ब्रिगेडियर परिमल भारती

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांक : 26 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यू पी बटालियन गोरखपुर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में कारगिल वीर योद्धाओं (शहीदों) को पुष्पांजलि अर्पण कर जयघोष के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

गोरखा रेजिमेंट डिपो कूड़ाघाट पर ब्रिगेडियर परिमल भारती ने कारगिल योद्धाओं को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस एक ऐसा पर्व है जो हमारे सैनिकों की

असाधारण वीरता, बलिदान और समर्पण को श्रद्धांजलि देता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमारे सैनिक दिन–रात सीमाओं पर डटे रहते हैं। हमें उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

कारगिल विजय दिवस भारतीय सैन्य इतिहास का एक गौरवशाली पर्व है, जो हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक विजय की याद में समर्पित है। यह केवल एक युद्ध की जीत नहीं थी, बल्कि यह भारतीय सैनिकों की बहादुरी, आत्मबलिदान, देशभक्ति और अदम्य साहस का प्रतीक बन गया।

यह दिन हमें हमारे वीर जवानों के शौर्य और बलिदान की गाथा सुनाता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

विश्वविद्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस पुष्पांजलि में डिप्टी कमांडेंट कर्नल विशाल दुबे ने कारगिल युद्ध के संस्मरण को याद करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध 1999 में पाकिस्तान की सेना और घुसपैठियों ने कारगिल सेक्टर के भारतीय क्षेत्र में गुपचुप तरीके से घुसपैठ कर ऊँची चोटियों पर कब्जा कर लिया।

इस घुसपैठ को 'ऑपरेशन बद्र' नाम दिया गया था। भारतीय सेना ने इस घुसपैठ का जवाब देने के लिए 'ऑपरेशन विजय' शुरू किया। 8 सप्ताह से अधिक समय तक चले इस अभियान में भारतीय सेना ने एक–एक कर सभी कब्जाई गई चोटियों को दुश्मन से मुक्त कराया।

इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने भी 'ऑपरेशन सफेद सागर' के अंतर्गत अहम भूमिका निभाई। संकटपूर्ण भौगोलिक स्थिति, कठिन मौसम, बर्फीली ऊँचाइयाँ और दुश्मन की किलेबंदी के बावजूद भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया। यह एक असामान्य युद्ध था क्योंकि इसमें लड़ाई 16,000 फीट की ऊँचाई पर लड़ी गई थी, जहाँ ऑक्सीजन की कमी और तापमान .10 से .20 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है। वीरता की अमर गाथा, कारगिल युद्ध में कई ऐसे वीर सपूत हुए जिन्होंने असाधारण साहस दिखाया और देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कारगिल युद्धाओं को पुष्प अर्पण करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक युद्ध विजय का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति, एकता, त्याग और राष्ट्र प्रेम की भावना को जीवित रखने का दिन है।

यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए किसी भी बलिदान से पीछे नहीं हटना चाहिए।

एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारत के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह उन्हें यह सिखाता है कि सच्चा देशभक्त वही होता है जो निस्वार्थ होकर राष्ट्र की सेवा करे। यह दिन युवाओं को सेना में जाने, अनुशासन को जीवन में अपनाने और देशहित को सर्वोच्च मानने की प्रेरणा देता है।

आयोजन में कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव, डॉ. प्रदीप राव, जी, उपकुलसचिव श्रीकांत, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत एस, मूर्ति, प्राचार्य डॉ. अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश दुबे दिलीप मिश्रा, पीयूष आनंद, दीपक कुमार, अनिल कुमार, अमित कुमार उपाध्याय, नीरज कुमार, जनमेजय सोनी, कैडेट आदित्य सिंह, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, अरुण विश्वकर्मा, आलोक दीक्षित, मनीष गुप्ता, अनुभव पाण्डेय, शिखर, पाण्डेय, अमन चौरसिया, आलोक सिंह, प्रीति शर्मा, आंचल पाठक, काजल गौतम, चांदनी निषाद, खुशी यादव, संजना शर्मा, अतीका तिवारी, वसुंधरा सिंह, उजाला सिंह, अर्पिता राय, अनुराधा, गुड़िया कुशवाहा, आदित्य सिंह, अभिषेक चौरसिया, शिवम सिंह सहित शिक्षकगण, विद्यार्थीगण, कर्मचारियों सहित राष्ट्रीय कैडेट कोर और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने देश के वीर योद्धाओं को पुष्पांजलि अर्पण कर अपने भावों से श्रद्धांजलि अर्पण किया।

दीक्षारंभ व्याख्यान : फार्मेसी संकाय

फार्मेसी संकाय में दीक्षारंभ व्याख्यान देते हुए ले. डॉ. संदीप श्रीवास्तव

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांक : 29 जुलाई, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फार्मेसी संकाय में नए सत्र के विद्यार्थियों के लिए संयोजित दीक्षारम्भ में एनसीसी भर्ती रोजगार और सैन्य क्षेत्र विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ।

शैक्षणिक व्याख्यान में मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने नव विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कैडेट कोर के उद्देश्य, भर्ती प्रक्रिया, सैन्य सेवा की योजना और रोजगार विषय पर मार्गदर्शन किया। लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा की रक्षा क्षेत्र में अनंत संभावनाएं है ।

सैन्य सेवा के लिए ऊंचा लक्ष्यए जुनून, अनुशासन, आत्मविश्वास और समय का पाबंद, मूल मंत्र है। कैडेट्स अभी से अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति सजग और जागरूक रहे।

लक्ष्य के प्रति सदैव तत्पर रहे, आपकी उत्सुकता ही आपको जीवन में लक्ष्य के प्रेरित करेगा। कहावत है कि रोम एक दिन में नही बना था। इजराइल में हर नागरिक को 5 वर्ष फौज में नौकरी करना अनिवार्य है।

भारत में थल सेना, वायु और जल सेना के विविध विंग्स में ढेर सारे द्वार खुले हुए है आप सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प लें। सैन्य सेवा के आत्मविश्वास से सैनिक कभी रिटायर नहीं होता सामाजिक सेवा से राष्ट्र सेवा का जज्बा सदैव जिंदा रहता है। किसी भी काम में कोई शर्म नही होनी चाहिए।

एनसीसी का प्रशिक्षण सैन्य सेवा के लिए प्रेरणा दायक है। फार्मेसी संकाय में नव विद्यार्थियों संग दीक्षारम्भ में एनसीसी की यात्रा से जुड़े विद्यार्थियो के प्रश्नों का उत्तर देते हुए राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया।

दीक्षारंभ का संचालन डॉ दिलीप मिश्रा ने किया।

कारगिल मेमोरियल वॉर कूड़ाघाट पर अधिकारी एवं कैडेट्स

राष्ट्र प्रथम के भाव से सेवारत हैं एमपी शिक्षा परिषद की संस्थाएं- योगी

कार्यालय प्रतिनिधि

गोरखपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की संस्थाएं अपने संस्थापकों की भावनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप राष्ट्र प्रथम के भाव से सेवा कार्य कर रहीं हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी परिषद की इसी भावना को उच्च शिक्षा और चिकित्सा के सेवा क्षेत्र में मूर्तमान कर रही है।

सीएम योगी मंगलवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अकादमिक भवन, पंचकर्म केंद्र व ऑडिटोरियम के लोकार्पण और गर्ल्स हॉस्टल के शिलान्यास समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1932 में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने शैक्षिक रूप से इस पिछड़े क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। आजादी के बाद पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने में इसी शिक्षा परिषद का योगदान रहा। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की 52 से अधिक संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और लोक कल्याण के क्षेत्र में राष्ट्र प्रथम की सेवा भावना को साकार कर रहीं हैं। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के दो दिवसीय प्रदेश दौरे के दौरान आईवीआरआई बरेली, गोरखपुर एम्स और आयुष विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी उच्च स्तरीय संस्थान विज्ञान के अलग-अलग फील्ड में काम करते हैं लेकिन राष्ट्रपति के इस दौरे का समापन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हो रहा है जो इन सभी फील्ड में काम करने वाला संस्थान है। इस विश्वविद्यालय में मॉडर्न मेडिकल साइंस, आयुर्वेद, नर्सिंग, फार्मेसी, एग्रीकल्चर सभी फील्ड में काम किया जा रहा है। एमजीयूजी के समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का स्वागत करते हुए श्रीमती मुर्मु के संघर्ष और सफलता की यात्रा का भी ध्यान दिलाया। कहा कि देश की कोटि-कोटि मातृशक्ति के लिए राष्ट्रपति प्रेरणा पुंज हैं। वह फर्श से अर्श तक और शून्य से शिखर की यात्रा की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने संघर्षों से अपना रास्ता बनाया और निजी दिक्कतों को कभी भी राष्ट्र प्रथम के मार्ग में बाधक नहीं बनने दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार भारत के संवैधानिक प्रमुख का सड़क पर छात्रों के बीच आत्मीय संवाद अभिभूत करने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता, 'वसुधा का नेता कौन हुआ, भूखंड विजेता कौन हुआ, अतुलित यश क्रेता कौन हुआ, नव-धर्म प्रणेता कौन हुआ, जिसने न कभी आराम किया, विघ्नों में रहकर नाम किया' का उद्धरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु इसकी साक्षात प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का दौरा उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत प्रेरक रहा। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन में एक शिक्षिका से राज्यपाल पद तक की सेवा यात्रा की है।

❖ एमजीयूजी में लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए बोले मुख्यमंत्री

शिक्षा व चिकित्सा से मूर्त हो रहा सेवा का भाव : योगी

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें विवि की स्थापना का उद्देश्य बताया। साथ ही उसकी संचालक संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की परिस्थितियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विवि सहित परिषद की 52 से अधिक शैक्षणिक संस्थाएं संस्थापकों और प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप राष्ट्र प्रथम के भाव से काम कर रही है।

विस्तृत >> जागरण सिटी।

शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम- राष्ट्रपति

कार्यालय प्रतिनिधि

गोरखपुर, 1 जुलाई। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रेक्षागृह व पंचकर्म सेंटर का लोकार्पण तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। राष्ट्रपति ने वन महोत्सव के अंतर्गत यहां भी रुद्राक्ष का पौधा रोपा, फिर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि नए महिला छात्रावास का शिलान्यास कर सबसे अधिक खुशी हो रही है। शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए यह कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में अमूल्य पहल है।

राष्ट्रपति ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सराहना की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरित सभी संस्थानों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रसारित होती है। लगभग 700 वर्ष पहले महाराणा प्रताप ने राष्ट्रगौरव के लिए त्याग और पराक्रम का जो आदर्श प्रस्तुत किया था, वह देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। महामहिम ने आशा जताई कि इस विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी प्रोफेशनल एजुकेशन पर आधारित उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ आध्यात्मिकता तथा राष्ट्रप्रेम के आदर्शों को अपने आचरण में ढालेंगे। यह संस्थान महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ की परंपरा से जुड़ा हुआ है। गोरखनाथ मंदिर से निकली गौरवशाली शाखाओं में से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी शोभायमान है। विश्वविद्यालय के नए एकेडमिक भवन में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थी, शिक्षक और अधिक निष्ठा के साथ आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि मानव शरीर को दोषमुक्त बनाने में पंचकर्म की प्रक्रिया बहुत प्रभावी सिद्ध हुई है। राष्ट्रपति ने कहाकि कक्षा सात की पढ़ाई पूरी करके मैं सत्र 1970-71 में आठवीं व उसके आगे की पढ़ाई करने के लिए अपने गांव से 300 किमी. दूर भुवनेश्वर गई। 55 वर्ष पहले वह दूरी भी बहुत अधिक थी, क्योंकि तब आवागमन के साधन बहुत सीमित हुआ करते थे। मुझसे पहले मेरे गांव की कोई बालिका बाहर पढ़ने नहीं गई थी। भुवनेश्वर में मुझे महिला छात्रावास में रहने की सुविधा मिली। अब तो बहुत बदलाव आ चुका है। हमारी बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं, लेकिन आज भी अनेक बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेटियों के लिए सुरक्षित आवास न होने से उनकी उच्च शिक्षा की यात्रा में अवरुद्ध होता है। कभी-कभी शिक्षा रुक भी सकती है, इसीलिए विश्वविद्यालय में नए बालिका छात्रावास की स्थापना का निर्णय महिलाओं की उच्च शिक्षा में बहुत बड़ा योगदान है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि पूर्ववर्ती राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था। केवल चार वर्ष में विश्वविद्यालय ने विकास यात्रा में प्रभावशाली उपलब्धियां हासिल की हैं। यह संस्थान पूर्वी उप्र में उच्च शिक्षा एवं रोजगारपरक शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन गया है। इस विकास यात्रा में मुख्यमंत्री, विश्वविद्यालय के संस्थापक, कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ का अमूल्य दिशानिर्देश व संबल उपलब्ध रहा है। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के लिए राष्ट्रपति ने योगी जी व पूरी टीम को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहाकि जब पूर्वांचल और अधिक स्वस्थ-सुरक्षित होगा, तब पूरा यूपी और तेजी से समग्र प्रगति के मार्ग पर बढ़ेगा। जब देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा तो तब पूरा भारत प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करेगा। राष्ट्रपति ने अपील की कि दृढ़ संकल्प के साथ हम सभी विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते रहें। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री व कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ, काबीना मंत्री सूर्यप्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, डॉ. संजय निषाद, कुलपति डॉ. सुरिन्द्र सिंह, गैलेंट फाउंडेशन के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

❖ महामहिम ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रेक्षागृह व पंचकर्म सेंटर का किया लोकार्पण तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास

राष्ट्र प्रथम के भाव से सेवारत हैं एमपी शिक्षा परिषद की संस्थाएं

बोले योगी

- एमजीयूजी में लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में बोले मुख्यमंत्री
- एमपी शिक्षा परिषद की सेवा भावना को मूर्तमान कर रहा एमजीयूजी : सीएम

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाएं अपने संस्थापकों की भावनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप राष्ट्र प्रथम के भाव से सेवा कार्य कर रहीं हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी परिषद की इसी भावना को उच्च शिक्षा और चिकित्सा के सेवा क्षेत्र में मूर्तमान कर रही है।

सीएम योगी मंगलवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अकादमिक भवन, पंचकर्म केंद्र व ऑडिटोरियम के लोकार्पण और गर्ल्स हॉस्टल के शिलान्यास समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने शैक्षिक रूप से इस पिछड़े क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। आजादी के बाद पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने में इसी शिक्षा परिषद का योगदान रहा। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की 52 से अधिक संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और लोक कल्याण के क्षेत्र में राष्ट्र प्रथम की सेवा भावना को साकार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के दो दिवसीय प्रदेश दौरे के दौरान आईवीआरआई बरेली, गोरखपुर एम्स और आयुष विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी उच्च स्तरीय संस्थान विज्ञान के अलग-अलग फील्ड में काम करते हैं लेकिन राष्ट्रपति के दौरे का समापन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हो रहा है जो इन सभी फील्ड में काम करने वाला संस्थान है। इस विश्वविद्यालय में मॉडर्न मेडिकल साइंस, आयुर्वेद, नर्सिंग, फार्मेसी, एग्रीकल्चर सभी फील्ड में काम किया जा रहा है।

यज्ञ की सफलता का आधार बन रही बारिश: मुख्यमंत्री ने आज कार्यक्रम के दौरान बारिश होने को लेकर भी बात की। कहा कि 2021 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद एमजीयूजी का लोकार्पण करने आए थे तब भी काफी बारिश हुई थी। और, आज महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर भी बारिश यज्ञ की सफलता का आधार बन रही है।

दिनकर की कविता से राष्ट्रपति का किया अभिनंदन

एमजीयूजी के समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत करते हुए श्रीमती मुर्मु के संघर्ष और सफलता की यात्रा का भी ध्यान दिलाया। कहा कि देश की कोटि-कोटि मातृशक्ति के लिए राष्ट्रपति प्रेरणा पुंज हैं। वह फर्श से अर्श तक और शून्य से शिखर की यात्रा की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने संघर्षों से अपना रास्ता बनाया और निजी दिक्कतों को कभी भी राष्ट्र प्रथम के मार्ग में बाधक नहीं बनने दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार भारत के संवैधानिक प्रमुख का सड़क पर छात्रों के बीच आत्मीय संवाद अभिभूत करने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता, 'वसुधा का नेता कौन हुआ, भूखंड विजेता कौन हुआ, अतुलित यश क्रेता कौन हुआ, नव-धर्म प्रणेता कौन हुआ, जिसने न कभी आराम किया, विघ्नों में रहकर नाम किया' का उद्धरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इसकी साक्षात प्रतिमूर्ति हैं।

समाचार दर्पण

भवनों की श्रृंखला में एक ही दिन में जुड़ गए तीन नए भवन, गर्ल्स हास्टल की नींव पड़ने से विश्वविद्यालय की छात्राओं में दिखा विशेष उत्साह

चार वर्ष में ही महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की गौरव गाथा में जुड़ा नया अध्याय

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को संबोधित करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ● जागरण

विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रभावशाली

राष्ट्रपति ने कहा कि मेरे पूर्ववर्ती राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था। यह जानकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि केवल चार वर्ष में इस विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा में प्रभावशाली उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रपति ने इसकी विकास यात्रा में मुख्यमंत्री तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के महत्वपूर्ण योगदान तथा उनके अमूल्य दिशा निर्देशन एवं संबल के लिए सभी को बधाई दी।

देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा राष्ट्र गौरव के लिए महाराणा प्रताप का त्याग : राष्ट्रपति

- आध्यात्मिकता और राष्ट्र प्रेम के सिद्धांतों को आत्मसात करें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े छात्र
- पांच वर्ष के अल्प समय में ही बहुत आगे बढ़ा गोरखनाथ विश्वविद्यालय, इससे जुड़े संस्थान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में स्मारिका का विमोचन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, साथ में राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल व सीएम योगी आदित्यनाथ, कुलपति डा. सुरिंदर सिंह तथा गैलेंट समूह के चेयरमैन चंद्रप्रकाश अग्रवाल ●

राष्ट्रीय सेवा योजना　राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in